केन्द्रीय विद्यालय संगठन तिनसुकिया संभाग
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN TINSUKIA REGION
पूर्व परिषदीय परीक्षा 2025-26 / PRE-BOARD EXAMINATION 2025-26

विषय:- हिंदी विषय कोड-002
कक्षा:-दसवीं

निर्धारित समय:- 3 घंटे अधिकतम अंक:-80

सामान्य निर्देश :-

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं उनका पालन कीजिये :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं | सभी प्रश्न अनिवार्य है |
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं – क , ख , ग , घ |
- खंड – क में कुल 2 प्रश्न हैं , जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड – ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है |
- दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
- खंड – ग में कुल 5 प्रश्न है , जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है |
- खंड – घ में कुल 4 प्रश्न हैं , सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं |
- (viii) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए |

प्रश्न संख्या	**खंड-क (अपठित बोध)**	अंक 14
1.	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।	7
	सभ्यता की वृद्धि के साथ-साथ ज्यों-ज्यों मनुष्य के व्यापार बहुरूपी और जटिल होते गए त्यों-त्यों उनके मूल रूप बहुत कुछ आच्छन्न होते गए। भावों के आदिम और सीधे लक्ष्यों के अतिरिक्त और-और लक्ष्यों की स्थापना होती गई; वासनाजन्य मूल व्यापारों के सिवा बुद्धि द्वारा निश्चित व्यापारों का विधान बढ़ता गया। इस प्रकार बहुत से ऐसे व्यापारों से मनुष्य घिरता गया जिनके साथ उसके भावों का सीधा लगाव नहीं। जैसे आदि में भय का लक्ष्य अपने शरीर और अपनी संतति ही की रक्षा तक था; पर पीछे गाय, बैल, अन्न आदि की रक्षा आवश्यक हुई, यहाँ तक कि होते-होते धन, मान, अधिकार, प्रभुत्व इत्यादि अनेक बातों की रक्षा की चिंता ने घर किया और रक्षा के उपाय भी वासना-जन्य प्रवृत्ति से भिन्न प्रकार के होने लगे इसी प्रकार क्रोध, घृणा, लोभ आदि अन्य भावों के विषय भी अपने मूल रूपों से भिन्न रूप धारण करने लगे। कुछ भावों के विषय तो अमूर्त तक होने लगे, जैसे कीर्ति की लालसा। ऐसे भावों को ही बौद्ध-दर्शन में 'अरूपराग' कहते हैं। भावों के विषयों और उनके द्वारा प्रेरित व्यापारों में जटिलता आने पर भी उनका संबंध मूल विषयों और मूल व्यापारों से भीतर-भीतर बना है और बराबर बना रहेगा। किसी का कुटिल भाई उसे संपत्ति से एकदम वंचित रखने के लिए वकीलों की सलाह से एक नया दस्तावेज़ तैयार करता है। इसकी ख़बर पाकर वह क्रोध से नाच उठता है। प्रत्यक्ष व्यावहारिक दृष्टि से तो उसके क्रोध का विषय है वह दस्तावेज़ या काग़ज़ का टुकड़ा। पर उस कागज़ के टुकड़े के भीतर वह देखता है कि उसे और उसकी संतति को अन्न-वस्त्र न मिलेगा। उसके क्रोध का प्रकृत विषय न तो वह काग़ज़ का टुकड़ा है और न उस पर लिखे हुए काले-काले अक्षर। ये तो सभ्यता के आवरण मात्र हैं। अतः उसके क्रोध में और उस कुत्ते के क्रोध में जिसके सामने का भोजन कोई दूसरा कुत्ता छीन रहा है काव्यदृष्टि से कोई भेद नहीं है—भेद है केवल विषय के थोड़ा रूप बदलकर आने का। इसी रूप बदलने का नाम है सभ्यता। इस रूप बदलने से होता यह है कि क्रोध आदि को भी अपना रूप कुछ बदलना पड़ता है, वह भी कुछ सभ्यता के साथ अच्छे कपड़े-लत्ते पहनकर समाज में आता है जिससे मार-पीट, छीन-खसोट आदि भद्दे समझे जाने वाले व्यापारों का कुछ निवारण होता है। स्रोत- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंध 'कविता क्या है?' से	
(क)	निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प चुनिए:	1

	कथन (A): सभ्यता की वृद्धि के साथ मनुष्य के व्यापार बहुरूपी होते गए । कारण (R): बुद्धि द्वारा निश्चित व्यापारों का विधान बढ़ता गया। (अ) कथन (A) गलत व कारण (R) सही है। (ब) कथन (A) व कारण (R) दोनों सही हैं। (स) कथन(A) व कारण (R) दोनों गलत हैं। (द) कथन (A) सही व कारण (R) गलत है।	
(ख)	उपर्युक्त गद्यांश रामचन्द्र शुक्ल के किस निबंध से लिया गया है। (अ) कविता क्या है (ब) उत्साह (स) ईर्ष्या (द) क्रोध	1
(ग)	गद्यांश के आधार पर नीचे दिए कथन से सही कथन वाले विकल्प का चयन कीजिए- i. गाय, बैल, अन्न आदि की रक्षा आवश्यक हुई। ii. धन, मान, अधिकार, प्रभुत्व इत्यादि अनेक बातों की रक्षा की चिंता ने घर किया। iii. आज़ादी के बाद देश ने लंबी यात्रा तय की है। iv. क्रोध का प्रकृत विषय न तो वह काग़ज़ का टुकड़ा है और न उस पर लिखे हुए काले-काले अक्षर। (अ) कथन i, ii, iii सही हैं (ब) कथन ii व iii सही हैं (स) सभी कथन सही हैं (द) कथन i, ii व iv सही हैं	1
(घ)	सभ्यता के विकास के साथ मनुष्य के भावों और व्यापारों में किस प्रकार परिवर्तन आया, इसे अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए?	2
(ङ)	'बौद्ध-दर्शन में 'अरूपराग' कहते हैं' गद्यांश के आधार पर अरुपराग क्या है स्पष्ट कीजिए?	2
2	निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।	7
	एक अरसे बाद फिर सहमा हुआ घर है आदमी गूँगा न बन जाये यही डर है याद फिर भूली हुई आयी कहानी है, एक आदमखोर मौसम पर जवानी है, हाथ जिसका आदमी के खून से तर है सोच पर प्रतिबंध का पहरा कड़ा होगा, अब बड़े नाख़ून वाला ही बड़ा होगा, वक्त ने फिर से किया व्यवहार बर्बर है। पूजना होगा सभाओं में लुटेरों को मानना होगा हमें सूरज अँधेरों को, प्राणहंता आ गया	

	तूफान सर पर है। कोंपलें तालीम लेकर जब बड़ी होंगीं, पीढ़ियाँ की पीढ़ियाँ ठंडी पड़ी होंगी, वर्णमाला का दुखी हर एक अक्षर है स्रोत- मयंक श्रीवास्तव के गीत संग्रह 'सहमा हुआ घर' से	
(क)	कवि को किस बात का डर है? (अ) स्वार्थ भाव से ऊपर (ब) खुद की सोचने वाले (स) क और ख दोनों (द) आदमी गूँगा न बन जाये	1
(ख)	निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प चुनिए: कथन (A): कवि को भूली हुई कहानी याद आई है। कारण (R): बदलते मौसम की जवानी को आदमी के खून से तर कहा गया है। (अ) कथन (A) गलत व कारण (R) सही है। (ब) कथन (A) व कारण (R) दोनों सही हैं। (स) कथन (A) व कारण (R) दोनों गलत हैं। (द) कथन (A) सही व कारण (R) गलत है।	1
(ग)	कवि को मनुष्य के लिए कौनसा डर सता रहा है? (अ) प्राणहंता तूफान के सर पर आ जाने का (ब) सभाओं का (स) जन-जन की कुण्ठा हर लेने का (द) नाखूनों का	1
(घ)	पद्यांश के आधार पर कवि की चिन्ताओं को स्पष्ट कीजिए?	2
(ङ)	पद्यांश को पढ़कर आपके मन में क्या विचार आए उस आधार पर अपने कोई दो विचार लिखिए?	2
	खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)	16
3.	निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए:	4×1=4
(क)	नवाब साहब ने एक-एक करके सभी फाँकों को खिड़की से बाहर फेंक दिया । (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)	
(ख)	कभी-कभी पतोहू के पास जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते। (सरल वाक्य में बदलिए)	
(ग)	श्राद्ध की अवधि पूरी होने पर उसे भाई के साथ कर दिया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)	
(घ)	खतरनाक रास्ते होने के कारण हम मौन हो गए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)	
(ङ)	जब शिक्षक कक्षा में आए तब विद्यार्थी खड़े हो गए।। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद लिखिए)	
4.	निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए:	4×1=4
(क)	परशुराम सभा में आकर क्रोध करने लगे। (कर्मवाच्य में बदलिए)	
(ख)	क्रिया के जिस रूप से यह जाना जाए कि क्रिया का मुख्य विषय कर्ता है, कर्म है या भाव है, उसे क्या कहते हैं?	

(ग)	किस वाच्य में क्रिया सदैव अकर्मक होती है?	
(घ)	मनुष्य द्वारा सुई-धागे का आविष्कार किया गया। दिए गए वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए-	
(ङ)	हालदार साहब कस्बे से गुजरे। दिए गए वाक्य को भाववाच्य में बदलिए-	
5.	निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद परिचय लिखिए-	4×1=4
(क)	**<u>बालगोबिन भगत की</u>** साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जब उनका बेटा मर गया।	
(ख)	**<u>वाह!</u>** कितना सुंदर दृश्य है।	
(ग)	जीप कस्बे से गुजरती तो हालदार साहब रुककर **<u>मूर्ति को</u>** देखते।	
(घ)	खीरे की **<u>पनियाती</u>** फाँकों को देखकर मुँह में पानी तो आ रहा था।	
(ङ)	लड़कियों के लिए थर्ड ईयर की कक्षाएं **<u>खोल दी गईं।</u>**	
6.	निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की रेखांकित काव्य पक्तियों में अलंकार पहचान कर लिखिए।	4×1=4
(क)	<u>सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा,सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।</u>	
(ख)	<u>'मधुप गुन-गुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी' ।</u>	
(ग)	<u>'तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान मृतक में भी डाल देगी जान'।</u>	
(घ)	<u>'अभी समय भी नहीं थकी सोई है मेरी मौन व्यथा'।</u>	
(ङ)	<u>जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन जब वह नौसिखिया था।</u>	
	खंड-ग (पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)	30
7.	निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। पर यह पितृ-गाथा मैं इसलिए नहीं गा रही कि मुझे उनका गौरव-गान करना है, बल्कि मैं तो यह देखना चाहती हूँ कि उनके व्यक्तित्व की कौन-सी खूबी और खामियाँ मेरे व्यक्तित्व के ताने-बाने में गुँथी हुई हैं या कि अनजाने-अनचाहे किए उनके व्यवहार ने मेरे भीतर किन ग्रंथियों को जन्म दे दिया। मैं काली हूँ। बचपन में दुबली और मरियल भी थी। गोरा रंग पिता जी की कमज़ोरी थी सो बचपन में मुझसे दो साल बड़ी, खूब गोरी, स्वस्थ और हँसमुख बहिन सुशीला से हर बात में तुलना और फिर उसकी प्रशंसा ने ही, क्या मेरे भीतर ऐसे गहरे हीन-भाव की ग्रंथि पैदा नहीं कर दी कि नाम, सम्मान और प्रतिष्ठा पाने के बावज़ूद आज तक मैं उससे उबर नहीं पाई? आज भी परिचय करवाते समय जब कोई कुछ विशेषता लगाकर मेरी लेखकीय उपलब्धियों का ज़िक्र करने लगता है तो मैं संकोच से सिमट ही नहीं जाती बल्कि गड़ने-गड़ने को हो आती हूँ। शायद अचेतन की किसी पर्त के नीचे दबी इसी हीन-भावना के चलते मैं अपनी किसी भी उपलब्धि पर भरोसा नहीं कर पाती...सब कुछ मुझे तुक्का ही लगता है। पिता जी के जिस शक्की स्वभाव पर मैं कभी भन्ना-भन्ना जाती थी, आज एकाएक अपने खंडित विश्वासों की व्यथा के नीचे मुझे उनके शक्की स्वभाव की झलक ही दिखाई देती है...बहुत 'अपनों' के हाथों विश्वासघात की गहरी व्यथा से उपजा शक। होश सँभालने के बाद से ही जिन पिता जी से किसी-न-किसी बात पर हमेशा मेरी टक्कर ही चलती रही, वे तो न जाने कितने रूपों में मुझमें हैं...कहीं कुंठाओं के रूप में, कहीं प्रतिक्रिया के रूप में तो कहीं प्रतिच्छाया के रूप में। केवल बाहरी भिन्नता के आधार पर अपनी परंपरा और पीढ़ियों को नकारने वालों को क्या सचमुच इस बात का बिलकुल अहसास नहीं होता कि उनका आसन्न अतीत किस कदर उनके भीतर जड़ जमाए बैठा रहता है! समय का प्रवाह भले ही हमें दूसरी दिशाओं में बहाकर	5×1=5

	ले जाए...स्थितियों का दबाव भले ही हमारा रूप बदल दे, हमें पूरी तरह उससे मुक्त तो नहीं ही कर सकता! पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ। धरती से कुछ ज़्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिता जी की हर ज़्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश और ज़िद को अपना फ़र्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने ज़िदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं...केवल दिया ही दिया। हम भाई-बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका...न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता। खैर, जो भी हो, अब यह पैतृक-पुराण यहीं समाप्त कर अपने पर लौटती हूँ।	
(क)	गद्यांश के आधार पर सत्य कथन का चयन कीजिए। (i) लेखिका ने स्वयं को काले रंग का कहा है। (ii) लेखिका की माँ पढ़ी लिखी थीं। (iii) लेखिका बचपन में दुबली-पतली थी। (iv) लेखिका की बहन का नाम महादेवी वर्मा था। विकल्प (अ) (i), (ii) सही व (iii), (iv) गलत (ब) (i) सही व (ii), (iii), (iv) गलत (स) (i), (iii) सही व (ii), (iv) गलत (द) सभी सही	
(ख)	कथन (A) व कथन (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए: कथन (A): लेखिका के पिता अक्सर लेखिका की तुलना उसकी बहन से करते थे। कथन (R): लेखिका की बहन का नाम सुशीला था। (अ) कथन (A) गलत व कथन (R) सही है। (ब) कथन(A) व कथन (R) दोनों सही हैं। (स) कथन (A) व कथन (R) दोनों गलत हैं। (द) कथन(A) सही व कथन (R) गलत है।	
(ग)	लेखिका ने धरती से ज्यादा सहनशील किसे माना है? (अ) राम को (ब) पिता जी को (स) बहन को (द) माँ को	
(घ)	नीचे दिए हुए कॉलम 1 और कॉलम 2 से सुलेमित कर सही विकल्प का चयन कीजिए- 1-लेखिका की हंसमुख थी — (1) कभी-कभी भन्ना जाती थी 2-स्थितियों का दबाव रूप बदलता है — (2) हमें पूरी तरह उससे मुक्त नहीं करता 3- पिता जी के शक्की स्वभाव पर मैं — (3) बहन (अ) 1 (3) 2 (2) 3 (1) (ब) 2 (3) 2 (2) 3 (1) (स) 1 (2) 2 (3) 3 (1) (द) 1 (2) 2 (2) 3 (2)	
(ङ)	लेखिका व उसके भाई बहनों का सारा लगाव किसके साथ था? (अ) पिता जी के साथ (ब) माता जी के साथ (स) दादी के साथ (द) शीला अग्रवाल के साथ	
8.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए	3×2=6
(क)	हालदार साहब को पहली बार जब मूर्ति पर चश्मा बदला हुआ दिखा, तो उनके मन में कौन-सी भावनाएँ जागीं? पाठ के आधार पर अपने शब्दों में उत्तर दीजिए।	
(ख)	क्या खीरे को सूंघकर पेट भर सकता है? लेखक ने इस बात को कहकर किस पर व्यंग्य किया है?	
(ग)	भगत ने अपनी पुत्रवधू को उसके भाई के साथ उसके मायके क्यों भेज दिया, जबकि वह उनके साथ रहकर उनकी सेवा करना चाहती थी?	
(घ)	पाठ के अनुसार, बिस्मिल्ला खाँ और उनकी शहनाई के लिए काशी और गंगा की क्या भूमिका थी?	

9.	निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। जिसके अरुण – कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में । अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में । उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की । सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की ? छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ? क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ? सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म – कथा ? अभी समय भी नहीं , थकी सोई है मेरी मौन व्यथा ।	5×1=5
(क)	कवि ने 'अरुण-कपोलों' की उपमा किसके लिए दी है? (अ) सूरज के लिए (ब) अपनी प्रेमिका के सुंदर गालों के लिए (स) छाया के लिए (द) पथिक के लिए	
(ख)	कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए: कथन (A): उपर्युक्त पद्यांश के लेखक जयशंकर प्रसाद हैं। कारण (R): उपर्युक्त पद की भाषा खड़ी बोली हिन्दी है। (अ) कथन(A) गलत व कारण (R) सही है। (ब) कथन(A) व कारण (R) दोनों सही हैं। (स) कथन(A) व कारण (R) दोनों गलत हैं। (द) कथन(A) सही व कारण (R) गलत है।	
(ग)	कवि ने स्मृति को 'पाथेय' क्यों कहा है? (अ) यादें उसके जीवन पथ में सहारा बनी हैं (ब) यादें उसे कष्ट दे रही हैं (स) यादें उसे अकेला छोड़कर जा रही हैं (द) यादें उसका सब कुछ छीन रही हैं	
(घ)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए। कथन I: कवि के जीवन-पथ में उनकी प्रेमिका की यादें सहारा बनी हुई हैं। कथन II: कवि को लगता है कि उनकी आत्मकथा सुनकर लोग उनका उपहास करेंगे। विकल्प: (अ) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है। (ब) कथन II सही है, लेकिन कथन I गलत है। (स) कथन I और II दोनों सही हैं। (द) कथन I और II दोनों गलत हैं।	
(ङ)	कवि के अनुसार, आत्मकथा लिखने का 'अभी समय भी नहीं' ऐसा क्यों कहा गया है? (अ) वे बहुत व्यस्त हैं (ब) क्योंकि उनकी पीड़ा अभी शांत नहीं हुई है (स) उन्हें लिखना नहीं आता (द) वे किसी और से लिखवाना चाहते हैं	
10.	निर्धारित पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए	3×2=6
(क)	गोपियों ने उद्धव को बड़भागी क्यों कहा है? क्या यह सच में उनकी प्रशंसा है या इसके पीछे कोई व्यंग्य छिपा है? तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।	
(ख)	परशुराम बार-बार अपनी भुजाओं के बल और फरसे का उल्लेख करते हैं। इस अंश के आधार पर परशुराम के चरित्र का चित्रण कीजिए।	
(ग)	'तुम मुझे पाए नहीं पहचान' - इन पंक्तियों में कवि को किस बात का दुःख है? क्या यह दुःख केवल बच्चे से संबंधित है या कवि के जीवन के किसी और अनुभव से भी जुड़ा है?	

(घ)	कविता में 'संगतकार' कौन है? वह किस प्रकार मुख्य गायक का साथ देता है?	
11.	पूरक पाठ्य पुस्तक निर्धारित पाठों के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए	2×4=8
(क)	माता का अंचल पाठ आपके जीवन के किसी अनुभव से किस प्रकार संबंधित है?	
(ख)	साना-साना हाथ जोड़ि यात्रा-वृत्तांत में प्रकृति के किन-किन रूपों का वर्णन किया गया है? आप के अनुसार प्रकृति के प्रति हमारा क्या कर्तव्य है?	
(ग)	हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानक दुरुपयोग है। आपके अनुसार विज्ञान का दुरुपयोग और कहाँ-कहाँ हो रहा है?	
	खंड-घ (रचनात्मक लेखन)	20
12.	निम्न लिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। **(क) मोबाइल फोन: एक आवश्यकता या अभिशाप** **संकेत बिंदु:** • मोबाइल फोन के लाभ (शिक्षा, संचार, व्यापार)। • मोबाइल फोन की हानियाँ (स्वास्थ्य पर प्रभाव, एकाग्रता में कमी)। • विद्यार्थियों के जीवन पर प्रभाव। • उपयोग और दुरुपयोग के बीच संतुलन। **(ख) पर्यावरण संरक्षण: हमारी जिम्मेदारी** **संकेत बिंदु:** • पर्यावरण के प्रति बढ़ती चिंता के कारण। • प्रदूषण के प्रकार (वायु, जल, ध्वनि)। • पेड़-पौधों का महत्व। • पर्यावरण को बचाने के उपाय (व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर)। **(ग) जीवन में खेलों का महत्व** **संकेत बिंदु:** • शारीरिक और मानसिक लाभ। • टीम भावना और अनुशासन का विकास। • तनाव कम करने में भूमिका। • शैक्षणिक जीवन के साथ संतुलन।	1×6=6
13.	किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। अपने शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए। **अथवा** अपने पिता को अपनी परीक्षा के परिणाम और भविष्य की योजनाओं के बारे में बताते हुए एक पत्र लिखिए।	1×5=5
14.	किसी खेल अकादमी में स्पोर्ट्स कोच (उदाहरण: क्रिकेट/फुटबॉल) के पद के लिए 80 शब्दों में अपना स्ववृत तैयार कीजिए। इसमें अपनी खेल उपलब्धियाँ, कोचिंग अनुभव और शारीरिक योग्यता का विवरण भी दें। **अथवा** पुस्तक मेले में स्टॉल लगाने की अनुमति के लिए पुस्तक मेले प्रभारी को उक्त मेल आई-डी info.bookfair@email.com पर 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।	1×5=5

15.	अपने शहर में आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर के लिए 40 शब्दों में एक विज्ञापन बनाइए। इसमें रक्तदान के महत्व, तिथि, समय और स्थान की जानकारी शामिल हो। **अथवा** अपने दोस्त को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिलने पर लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए।	1×4=4